मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 79, मुंबई, शनिवार, 23 मई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

भुखमरी के कगार पर मदरसा आधुनिकरण शिक्षक

केंद्र की मोदी सरकार ने 4 साल से मदरसा शिक्षकों को नहीं दिया वेतन

कई संगठन के नेताओं ने अपने स्तर पर इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री भारत सरकार के एचआरडी मिनिस्टर एवं अन्य मंत्रियों को सूचित भी किया, लेकिन इस मामले पर अभी तक मोदी सरकार चुप्पी साध रखी है

लखनउ। भारत सरकार द्वारा संचालित मदरसा आधुनिकीकरण योजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश में लगभग 25000 मदरसा आधुनिकरण शिक्षक कार्यरत हैं जिनको प्रदेश सरकार द्वारा 3000 रुपये और केंद्र सरकार द्वारा12000 रुपये दिया जाता है। प्रदेश की सरकार ने अपना मानदेय समय-समय पर देती रही लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा लगभग 4 साल से कोई मानदेय नहीं दिया गया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

भारत सरकार द्वारा संचालित मदरसा आधुनिकीकरण योजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश में लगभग 25000 मदरसा आधुनिकरण शिक्षक कार्यरत हैं जिनको प्रदेश सरकार द्वारा 3000 रुपये और केंद्र सरकार द्वारा 12000 रुपये दिया जाता, लेकिन मोदी सरकार ने लगभग 4 साल से कोई पैसा नहीं दिया है

केंद्र सरकार जल्द से जल्द ले फैसला: जियाउद्दीन अंसारी

कोरोना संकट के बीच लद्दाख में आज मनाई जाएगी ईद

करगिल क्षेत्र में शुक्रवार को चांद देखा गया। इसलिए लद्दाख में 23 मई को ईदुल फितर मनाया जाएगा।

श्रीनगर। लद्दाख में शनिवार को ईद मनाई जाएगी। लद्दाख, करगिल क्षेत्र में शुक्रवार को चांद देखा गया। इसलिए लद्दाख में 23 मई को ईदुल फितर मनाया जाएगा। इस बार कोरोना संकट के बीच पूरे देश में ईद मनाई जाएगी, जिसमें लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए त्योहार मनाना पड़ेगा। मोदी सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ा दिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

कुछ और राहत

भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए जो ताजा घोषणाएं की हैं, वे कुछ और कदम भर हैं। कोरोना के लॉकडाउन दौर में यह तीसरी बार है, जब भारतीय केंद्रीय बैंक ने अपनी ओर से सुधार के कदम उठाए हैं। विशेष रूप से दो बड़ी घोषणाएं हैं, जिन पर गौर किया जा सकता है। पहली घोषणा यह कि रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट में कमी की गई है, ताकि बाजार में नकदी का प्रवाह बने। नकदी का प्रवाह बनने से न केवल ऋण सस्ते या आसान होंगे, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था में भी तेजी आएगी। रेपो रेट घटकर अब चार प्रतिशत पर आ गया है, ताकि बैंकों के पास खर्च या निवेश के लिए ज्यादा नकदी उपलब्ध हो। इसके साथ ही रिजर्व बैंक यह भी चाहता है कि बैंकों के पास ज्यादा धन रहे और वे रिजर्व बैंक के पास ब्याज के लिए धन रखने की बजाय उसे बाजार में लगाएं। अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक की यह मंशा स्वागतयोग्य है। दूसरी घोषणा उन लोगों के लिए खुशखबरी है, जो अभी ऋण वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। टर्म लोन पर पहले ही तीन महीने की छूट मिली हुई थी और अब इस छूट को तीन महीने और बढ़ाकर एक बड़ी आबादी को राहत देने की कोशिश हुई है। ज्यादातर तरह के ऋण लेने वालों को अब अगस्त महीने तक कोई भी ऋण चुकाने से राहत मिलेगी। यदि किसी ने गृह ऋण, वाहन ऋण, कॉरपोरेट, कारोबारी, क्रेडिट कार्ड ऋण ले रखा है और ईएमआई नहीं चुका पा रहा, तो बैंक अपने आप आपके ऋण को मोरेटोरियम में भेज देंगे। हालांकि बेहतर सलाह यह है कि आप बैंक को स्वयं मोरेटोरियम के लिए आवेदन कर दें, ताकि आपको अगस्त के महीने तक ईएमआई का दबाव न झेलना पडे.। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि लॉकडाउन के कारण ज्यादातर कामकाज बंद हैं, और बड़ी संख्या में लोगों की आय प्रभावित हुई है। मोरेटोरियम से उन्हें यह तो फायदा है कि कर्जदाता बैंक उन्हें अभी परेशान नहीं करेंगे, अलग से कोई पेनाल्टी नहीं लगाएंगे, लेकिन इस अवधि का ब्याज तो बैंक जरूर जोड़ेंगे। अब आशंका यह है कि ऋण चुकाने की अवधि भी बढेगी और ईएमआई भी। ऐसे में, लोग मोरेटोरियम को किसी बड़ी राहत के रूप में नहीं देख रहे हैं। यह तात्कालिक राहत है और इससे दूरगामी परेशानियां बढ़ सकती हैं। आज के हालात में लोगों को बैंकों पर बहुत भरोसा नहीं है और बैंक भी लोगों के प्रति यथोचित उदार नहीं हैं। इस अविश्वास के कारण ही ऋण के लेन-देन का बाजार लगातार मंदा चल रहा है। रिजर्व बैंक जो प्रयास कर रहा है, वह आम दिनों के लिए तो ठीक है, लेकिन जिस तरह की आपातकालीन स्थिति से देश गुजर रहा है, उसमें लोगों को रिजर्व बैंक से बड़ी राहत की उम्मीद है। ऋण के बोझ से दबे लोगों के मन में यह सवाल है कि सरकार या रिजर्व बैंक ने हमारे लिए क्या किया है? लॉकडाउन के दौर में अर्थव्यवस्था को बल देने की दिशा में रिजर्व बैंक की यह तीसरी घोषणा अच्छी तो है, लेकिन जरूरतमंद लोगों की उम्मीद से कम है।

जहां तोप के गोले की आवाज सुन कर करते हैं अफ़्तार...!

फईम अहमद राज

सहारनपुर। अगर मै आपसे कहुं के आजके दौर में रमजान के पुरसुकून महीने में बिना किसी जंग के तोप चल रहे हैं, तो शायद आप हैरत में पड़ जाएं। लेकिन ये सच है। दुनिया के कई हिस्सों में हर रोज मगरिब के समय तोप चलते हैं, और तोप के गूंज की आवाज सुन कर ही रोजेदार अपना रोजा खोलते हैं, और अफ़्तार करते हैं। भारत के राज्य मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 40 मील दूर रायसेन हो, या फिर राजिस्थान का अजमेर, वहां का हर बाशिंदा तोप को रमजान माह में चलते हुए देखता है। रायसेन में यह अनूठी परंपरा 18वीं सदी में भोपाल रियासत की बेगम ने शुरू करवाई थी, वहीं अजमेर में ये परंपरा मुगलो के दौर से है, जो अब तक कायम है। अजमेर के इलावा राजिस्थान के और भी कई इलाको में भी अफ़्तार के समय तोप चलाने का परंपरा है। भारत में ये कुछ चुनिंदा जगह हैं जहां, तोप की गूंज का इंतजार रोजेदार करते हैं. सदियों बाद भी यह परंपरा कायम रहना इन इलाकों के लिए फख्र की बात है, क्युंके लोग अलग अलग बहना बना कर अपने पुरानी परंपरा से छुटकारा पा ले रहे हैं। वैसे विभिन्न मीडिया रिपोर्ट से पता चला रहा है के इस साल करोना संकट की वजह कर रायसेन में पिछले 200 साल से चली आ रही परम्परा टूट गई।

रायसेन में होता कुछ यूँ था के सुबह सेहरी के समय तोप की गूँज शहर के साथ-साथ आसापास के 30 किमी तक के दायरे के करीब 30 गांवों तक जाती थी; शाम को इफ़्तारी में गांवों तक इसकी गूंज शोर-शराबे और ट्रैफि क के कारण कुछ कम हो जाती थी। रायसेन मुस्लिम त्योहार कमिटी ने तोप चलाने के लिए जिला प्रशासन से अनुमति मांगी थी, पर इस बार लॉकडाउन का पालन करते हुए जिला प्रशासन ने तोप चलाने की अनुमति नहीं दी। भारत में इस तरह के रिवाज अधिकतर उन शहरों में है, जो कभी छोटी छोटी रियासत का हिस्सा था, इसकी शुरूआत दिल्ली से ही होती है, मुगल दौर में रमजान से 2 दिन पहले घोड़सवार चारो तरफ भेज दिये जाते थे, उनका काम चाँद देखना होता था, अगर चाँद बादल में छुपा होता, या घोड़सवार उसे देखने में नाकामयाब होते तो, तब ऊंचाई पर रहने वाले किसी सम्मानित व्यक्ति या काजी से चाँद की पुष्टि करवाया जाता, और फिर बादशाह के सामने पेश किया जाता, बादशाह उल्मा से मशवरा करते, और फिर रमजान का ऐलान तोप चला कर दिया जाता। ग्यारह बार तोप के गोले दागे जाते, कई बार आतिशबाजी भी होती, और सड़क और गलियों में ढ़ोल और नगाड़े के साथ ऐलान करवाया जाता। ठीक यही काम रमजान के आखिर में ईद के चाँद के समय भी होता। भारत में ये रेवाज धीरे धीरे हर रियासत में पहुंची, चाहे वो टोंक हो, जूनागढ़ हो, भोपाल, हैदराबाद, लखनऊ ही क्यूँ न हो! धीरे धीरे इस परम्परा में काफी परिवर्तन भी आ गया, जैसे भोपाल में तोप की जगह पटाखे ने ले ली है, और कई जगह साइरन बजता है, पर दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां सरकारी आदेश पर तोप चला कर अफ़्तार करने की दावत दी जाती है।

दुनिया के कई हिस्सों में चांद दिखने पर कि ले से या पहाड़ियों पर से कई बार तोप चला कर रमजान का आगाज किया जाता था, फिर 30 दिनों तक शाम को इफ़्तार के समय तोप चलाने का सिलसिला बना रहता था। ये रेवाज कब शुरू हुआ, इसको ले कर कई मत है, कुछ इसे उस्मानी सल्तनत से जोड़ते हैं, तो कुछ ममलूक से, इसे ले कर कई तरह की कहानी भी मशहूर है, लेकिन अधिकतर मिस्र के ही इर्द गिर्द है। एक बार एक ममलूक सुल्तान काहिरा में अपने एक नये तोप का टेस्ट रमजान के समय मगरिब के वक़्त किया, लोगो ने तोप की आवाज सुन कर रोजा खोल लिया, जब ये बात सुल्तान को पता चली तो उन्होंने रोज मगरिब के समय तोप चलाने का हुक्म दिया।

कुछ ऐसी ही कहानी 19वीं सदी के शुरूआत में मिस्र के शासक रहे मुहम्मद अली के साथ भी है, उन्होने एक जर्मन निर्मित तोप को रमजान के समय मगरिब के वक़्त चलवाया, जिसे लोगों अफ़्तार करने का इशारा समझा। 19वीं सदी के आखिर में मिस्त्र के वली रहे खीदाईव इस्माइल के साथ भी यही किस्सा है के उनके सिपाही तोप मगरिब के समय चला रहे थे, इसकी आवाज इस्माइल की बेटी फातिमा ने सुना, तब उसने अपने पिता से इसे हर रोज रमजान में मगरिब के समय तोप चलाने की दरख्वास्त की, जिसे मान लिया गया, बाद के दिनों में रमजान के समय चलने वाले तोप को फातिमा के नाम से जाना गया। आज भी काहिरा के सलाहउद्दीन किले से मगरिब के समय तोप चलाई जाती है, जिसके बाद अफ़्तार किया जाता है। रमजान में चलने वाले इन तोप को अरबी जुबान में मिदफा अल इफ़्तार भी कहते हैं। 19वीं सदी के शुरूआत में शारजा के सुल्तान बिन सकर अल कासमी ने अपने दौर ए हुकूमत में वहां रमजान के समय तोप चलाने परम्परा की शुरूआत की, आज भी युऐई के विभिन्न शहरों में रमजान के तोप चलाया जाता है, चाहे वो दुबई हो या आबूधाबी। कभी उस्मानी सल्तनत का हिस्सा रहे बलकान के अल्बानिया, बोस्निया और हर्जेगोविनियाँ सहीत कई इलाकों में इसी तरह तोप दागकर रोजेद्दारों को रोजा खोलने की इत्तेला दी जाती थी। जब इन इलाको पर वामपंथीयों का शासन आ गया तो इसे बंद कर दिया गया, पर 1997 के बाद फिर से सेराजेवो में तोप दागकर रोजेद्दारों को रोजा खोलने की इत्तेला दी जाने लगी।

उस्मानी सल्तनत की राजधानी और मौजूदा तुर्की के इतिहासिक शहर कुस्तुन्तुनिया में भी आप रमजान के दौरना तोप चलते देख सकते हैं। ये सच है समय समय के साथ तोप के शकल में भी परिवर्तन आ गया है। पर जहां तक बात मुसलमानो के तीन पवित्र शहर मक्का, मदीना और अल-कूद्स (येरुशलम) का है, यहाँ आज भी तोप के गोले फटने की आवाज सुन कर ही रोजेदार अफ़्तार करते हैं। फलस्तीन और इस्त्राईल झगड़े के बीच भी पवित्र शहर अल-कूद्स (येरुशलम) में दो इस्त्राईली सुरक्षाकर्मी के निगरानी में आज भी तोपों की गूंज से रोजा खोला और रखा जाता है। मदीना में साला पहाड़ी और कुबा किले से तोप की आवाज जमाने से रोजेदार सुनते हुवे आ रहे हैं, मक्का शहर में आज मक्का पुलिस अपनी निगरानी में पहाड़ों की ऊचाई से तोप के गोले छोड़ते हैं। 'The ruling of Mecca in the era of the Ottomans' के लेखक Mohamad Ouedi के अनुसार उस्मानी दौर में रोजेदार मक्का में तोप की आवाज सुन कर ही अफ़्तार करते थे, तोप को पहाड़ी की ऊंचाई पर रखा जाता था, ताके दूर तक आवाज जा सके। उनके अनुसार तोप चलाने की ये परम्परा उस्मानी दौर में ही शुरू हुई, क्यूंकि उनसे पहले तोप का चलन दुनिया में नहीं था। और ये अपने समय का सबसे आधुनिक अविष्कार था, क्यंकि उस समय ना तो घड़ी थी, जिससे लोगों रोजा खोलने का समय पता चलता, न ही वैसा कोई यंत्र था जिससे एक बार मे आवाज दूर तक पहुंचाई जा सके, लेकिन तोप मदद से एक साथ दोनों काम हो जाता था। चूंके सलतनत उस्मानीया जिसे ओटोमन अम्पायर के नाम से जानते हैं, ये तीन महाद्विप में फैला था, इस लिए उसके द्वारा शुरू की गई चीज का असर आज भी दिखता है।

आज भी उस्मानी सल्तनत का हिस्सा रहे मिस्र, साऊदी अरब, यूएई, कूवैत, टूनिशिया आदी देशों में तोप से गोले दाग कर रमजान के रोजे रखने और खोलने का रेवाज है। लेबनान की राजधानी बेरुत में तोप 19वीं सदी से ही चलते आ रहा था, पर 80 के दशक में तोप उस समय बंद हो गया, जब वहां गृहयुद्ध की शुरूआत हुई, ठीक ऐसा ही अफगानिस्तान के साथ हुआ, 1979 में सोवियत यूनियन के हमले के बाद राजधानी कबूल के शेर दरवाजा पहाड़ी से आने वाली आवाज थम सी गई। इसके इलावा भारतीय उपमहाद्विप में भी कई जगह इस रेवाज को ज़िन्दा रखा गया है, चाहे वो पाकिस्तान का सुदूर इलाका हो या फिर बंगलादेश का ढाका। भारत के हैदराबाद में ये परम्परा कबका खत्म हो चुका है। कभी हैदराबाद के नौबत पहाड़ पर से तोप की गूंज शहर के लोगों को अफ़्तार और सेहरी का वक़्त बताती थी; पर एक तहजीब के जवाल के साथ बहुत सारी चीजें बदल गई।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
23 मई, 2020

कोविड-19 संकट के बीच प्रदर्शन करने के लिए भाजपा की आलोचना

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने शुक्रवार को विपक्षी दल भाजपा पर आरोप लगाया कि वह काफी 'नीचे' गिर गई है और कोरोना वायरस के संकट के बीच उद्धव ठाकरे नीत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर राज्य को 'राजनीतिक मंच' बना रही है। भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व में शुक्रवार को विपक्षी दलों ने महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी सरकार की 'विफलता' के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। फडणवीस ने पार्टी सहयोगियों विनोद तावड़े और मुंबई भाजपा के प्रमुख मंगल प्रभात लोढ़ा के साथ मिलकर नरीमन प्वाइंट में राज्य पार्टी कार्यालय में प्रदर्शन किया। वे हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और काला मास्क तथा काला रिबन लगाए हुए थे। महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) सरकार के सत्तारूढ़ सहयोगियों ने भाजपा पर कोरोना वायरस जैसे स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान राजनीति करने के आरोप लगाए। शिवसेना नेता और राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने भाजपा का नाम लिए बगैर ट्वीट किया, एक राजनीतिक दल की राज्य इकाई काफी नीचे गिर गई है

और नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जब सब लोग घृणा और भेदभाव भूलकर एक-दूसरे का सहयोग कर रहे हैं तब एकमात्र पार्टी है जो राजनीति कर रही है। पार्टी महामारी को भूल गई है। उन्होंने बच्चों के फोटो भी ट्वीट किए जो भाजपा का झंडा लिए हुए हैं। राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष और एमवीए सरकार में राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट ने आरोप लगाए कि भाजपा समाधान करने के बजाए महाराष्ट्र सरकार के लिए समस्याएं पैदा करने में ज्यादा रूचि ले रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चव्हाण ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस महामारी से लड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक सुझाव दे रही है, उसी तरह से राज्य भाजपा नेतृत्व को करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य भाजपा के नेता राजनीति में संलिप्त हैं। राज्य कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने आश्चर्य जताया कि संकट के समय में किस तरह से भाजपा राजनीति कर रही है जब डॉक्टर, नर्स, पुलिस और प्रशासन कोरोना वायरस नाम के शत्रु से लड़ रहे हैं। सत्तारूढ़ राकांपा ने विपक्षी दल से पूछा कि क्या वह कोविड-19 योद्धाओं का अपमान कर रहा है और महाराष्ट्र से 'धोखा' कर रहा है। राज्य के मंत्री और राकांपा की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने ट्वीट किया, हाथ में काला (तख्तियां) लेने से पहले सोचे कि क्या आप चिकित्सकों, पुलिसकर्मियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का अपमान कर रहे हैं जो महाराष्ट्र के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। क्या आप महाराष्ट्र से धोखा कर रहे हैं?

अदालत ने गर्भवती महिलाओं की मदद को लेकर सरकार के कदम पर संतोष जताया

संवाददाता

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने प्रसव के समय गर्भवती महिलाओं को मदद पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र सरकार और बीएमसी द्वारा किए गए उपायों पर संतोष जताया लेकिन कहा कि महानगरपालिका को ऐसी महिलाओं की सहायता के लिए एक खास हेल्पलाइन शुरू करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एस एस शिंदे की पीठ ने शहर के निवासी मोहिउद्दीन वैद की एक याचिका का निपटारा कर दिया। इस याचिका में कहा गया था कि सरकारी जे जे अस्पताल में एक महिला को

प्रसव के लिए भर्ती करने से इसलिए मना कर दिया गया क्योंकि उसने कोरोना वायरस संक्रमण की जांच नहीं करवायी थी। वैद ने याचिका में सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को गर्भवती महिलाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि संकट के इस समय में गर्भवती महिलाओं को भर्ती करने में उसकी तरफ से कोई लापरवाही नहीं की जा रही है। बीएमसी ने अपने हलफनामे में गर्भवती महिलाओं को भर्ती किए जाने संबंधी आंकड़ा पेश किया।

वधावन बंधुओं की हिरासत 27 मई तक बढ़ी

मुंबई। एक विशेष अदालत ने डीएचएफएल के प्रवर्तकों कपिल और धीरज वधावन को 27 मई तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिय। यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर और अन्य के खिलाफ धन शोधन के मामले में वधावन बंधुओं को गिरफ्तार किया गया था। धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किए गए वधावन बंधुओं को पूर्व की हिरासत की अवधि खत्म होने पर शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह कहते हुए दोनों की हिरासत की मांग की कि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और ऐसे कई दस्तावेज हैं जिसका उनसे आमना-सामना कराना है। ईडी की याचिका स्वीकार करते हुए अदालत ने उनकी हिरासत 27 मई तक के लिए बढ़ा दी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भुखमरी के कगार पर मदरसा आधुनिकरण शिक्षक

जिससे शिक्षकों की स्थिति बद से बदतर हो गई है जिसको लेकर कई संगठन के नेताओं ने अपने स्तर से कई बार उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री भारत सरकार के एचआरडी मिनिस्टर एवं अन्य मंत्रियों को सूचित करके अवगत कराया लेकिन आज तक कोई मानदेय अभी नहीं मिला। जिससे इन शिक्षकों का परिवार भुखमरी के कगार पर आ गया है। मदरसा आधुनिकरण शिक्षक लॉकडाउन के पहले खाली समय में कोई रिक्सा चलाकर तो कोई किसी भी तरह की मेहनत मजदूरी करके घर चलाता था, लेकिन जब से लॉकडाउन हुआ है तब से इन शिक्षकों के घरों की हालात बहुत ज्यादा खराब हो गई है। ऐसे में मदरसा आधुनिकरण शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मोहम्मद जियाउद्दीन अंसारी ने इस मामले में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार से अपील की है कि सरकार इस पर जल्द से जल्द फैसला लें और ऐसे हालात में भारत सरकार के एचआरडी मिनिस्टर डॉक्टर रमेश चंद्र पोखरियाल निशंक से सर वस्त्र गुजारिश है कि मदरसा आधुनिकीकरण योजना का मानदेय जल्द से जल्द जारी करें।

कोरोना संकट के बीच लद्दाख में आज मनाई जाएगी ईद

लिहाजा इस दौरान देशभर में धार्मिक स्थल बंद रहेंगे और सभी सार्वजनिक आयोजनों पर पाबंदी रहेगी। इस बीच, ईद का त्योहार है। लिहाजा इस बार की ईद लॉकडाउन 4.0 में मनाई जाएगी। इस दौरान किसी को ईदगाह या मस्जिद में जमा होने की इजाजत नहीं होगी। लॉकडाउन 4.0 के दौरान धार्मिक स्थलों के अलावा जिम, स्वीमिंग पूल, स्कूल, कॉलेज, रेस्टोरेंट, होटल, सिनेमा हॉल और मॉल बंद रहेंगे। हालांकि स्कूल और कॉलेजों को ऑनलाइन पढ़ाई कराने की इजाजत होगी। रेलवे, मेट्रो, घरेलू और विदेशी उड़ानों पर भी रोक जारी रहेगी। इस बार लॉकडाउन में कई रियायतें भी दी गई हैं, लेकिन उन रियायतों के साथ शर्तें लगाई गई हैं। साथ ही देश में कोरोना को लेकर पांच जोन बनाने का फैसला लिया गया है। नए रंग-रूप वाले लॉकडाउन में राज्यों के बीच यात्री वाहन और बसें भी चलेंगी, लेकिन इसमें राज्यों के बीच आपसी सहमति जरूरी है। इससे पूरे देश में फंसे लोग अपनी-अपनी मंजिल तक का सफर सड़क के रास्ते तय कर सकेंगे। होटल और रेस्टोरेंट से होम डिलीवर की इजाजत दी गई है। इस लिहाज से मिठाई की दुकानें भी खुलेंगी, लेकिन वहां खाने की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खुलेंगे, लेकिन दर्शकों को वहां जाने की इजाजत नहीं होगी। वहीं शादी समारोह में 50 और अंतिम संस्कार में 20 लोगों को शामिल होने की इजाजत जारी रहेगी। इस लिहाज से लॉकडाउन 4.0 में कमोबेश वैसी ही पाबंदियां हैं, लेकिन दुकान खोलने की रियायत को लेकर राज्यों को ज्यादा अधिकार दिए गए हैं।

मददगार हाथ...

नवनिर्माण सोशल एंड एजुकेशनल फाउंडेशन प्रतिष्ठान के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में श्री मनीष धूरी साहेब, हाइड्रोक्लोराइड लिक्विड, हैंड सेनिटाइजर के साथ-साथ विटामिन-सी की गोलियां 21/05/2020 को मुंबई सेंट्रल जेल (आर्थर रोड) में वितरित की गईं।

सरकार के आदेशों का किया गया पालन

टाण्डा (रामपुर)। कोरोना वायरस लॉकडाउन के भीड़ भाड़ के साथ एकजुट होकर अदा नहीं कर सके जुमा अलविदा की नमाज, सरकार के आदेशो का किया गया पालन, तथा ईद की नमाज शांति पूर्ण ढंग से सरकार के आदेशों का पालन करते हुए को लेकर कहा गया नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई वयस्था एवं पेयजिलापूर्ती का किया गया प्रबंध व पुलिस द्वारा घूम कर नगर का लिया गया सम्पूर्ण जायजा। काजिऐ शहर इमाम मोलाना मोहम्मद जमील साहब ने जुम्मा अलविदा की नमाज सरकार के आदेशो का पालन करते हुए अदा कराई इसी तरह ईद की नमाज पांच व्यक्तियों सहित अदा कराने तथा शांति पूर्वक वयवस्था बनाये रखे जाने के साथ साथ अपने कमजोर भाईयों का सदका फितरा आदि से उनकी मदद कर सहयोग करे। उधर पालिका अध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला ने भी शांति पूर्वक ढंग से ईद मनाये जाने की अपील की व नगर के अंदर सफाई वयवस्था के साथ साथ पेयजिलापूर्ती रखे जाने को लेकर विशेष रूप से ध्यान रखा गया हैं इस दौरान कोतवाल माधो सिंह बिष्ट पुलिस वल के साथ घूमकर नगर का जायजा लिया कही पर भी कोई कानून का उलंघन करता सामने आता दिखाई नहीं दिया।

कोरोना संकट पर 22 दलों ने 4 घंटे की मीटिंग, लॉकडाउन पर मोदी सरकार को घेरा

विपक्षी दलों ने कोरोना वायरस के संकट पर शुक्रवार को केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई बैठक में केंद्र सरकार से अम्फान को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गई। सोनिया गांधी ने बैठक की शुरूआत करने के साथ ही कोरोना संकट को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि इस महामारी से अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लगा है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों ने बड़े पैमाने पर राजकोषीय प्रोत्साहन दिए जाने की तत्काल आवश्यकता की सलाह दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 12 मई को 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज का ऐलान किया और फिर वित्त मंत्री अगले पांच दिनों तक उसका विवरण देती रहीं। यह देश के साथ एक क्रूर मजाक था। बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि कोरोना को 21 दिन में खत्म करने की पीएम का दावा धराशायी हुआ। सरकार के पास लॉकडाउन को लेकर कोई प्लान नहीं था। सरकार के पास करोना संकट से बाहर निकलने की कोई नीति नहीं थी। लगातार लॉकडाउन का कोई फायदा नहीं हुआ, नतीजे खराब ही निकले। कोरोना टेस्ट और पीपीई किट के मोर्चे पर भी सरकार विफल रही। अर्थव्यवस्था चरमरा गई, लॉकडाउन के नाम पर क्रूर मजाक हुआ।

राहुल बोले– मजदूरों, किसानों और एमएसएमई की मदद नहीं की तो... ‘आर्थिक तबाही’

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकार की ओर से गरीबों, मजदूरों, किसानों और सूक्ष्म, लघु, एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) की वित्तीय मदद नहीं की गई तो देश में ‘आर्थिक तबाही’ हो जाएगी। विपक्षी दलों की बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र को राज्य सरकारों की मदद करनी चाहिए। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला के मुताबिक राहुल गांधी ने बैठक में सवाल किया, लॉकडाउन के दो लक्ष्य हैं। बीमारी को रोकना और आने वाली बीमारी से लड़ने की तैयारी करना। पर आज संक्रमण बढ़ रहा है और लॉकडाउन हम खोल रहे हैं। क्या इसका मतलब है कि एकाएक बगैर सोचे किए गए लॉकडाउन से सही नतीजा नहीं आया?

‘मदद नहीं की तो तबाही हो जाएगी’: राहुल ने कहा, लॉकडाउन से करोड़ों लोगों को जबरदस्त नुकसान हुआ है। अगर आज उनकी मदद नहीं की गई, उनके खातों में 7,500 रुपये नहीं डाला गया, अगर राशन का इंतजाम नहीं किया, अगर प्रवासी मजदूरों, किसानों और एमएसएमई की मदद नहीं की तो आर्थिक तबाही हो जाएगी।

‘लोगों को कर्ज नहीं, मदद चाहिए’: कांग्रेस नेता ने कहा कि लाखों करोड़ों का सरकार का पैकेज ये बात स्वीकार ही नहीं करता। लोगों को कर्ज की जरूरत नहीं, सीधे मदद की आवश्यकता है। हमारी जिम्मेदारी है की हम सब आवाज उठाएं। ये देश का सवाल है, दलों का नहीं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो करोड़ों गरीबी के जाल में उलझ जाएंगे।

‘जैसी मदद करनी चाहिए थी, नहीं की’: उन्होंने कहा, कोरोना से लड़ाई जिलों व प्रांतों में लड़ी जा रही है। केंद्र नेतृत्व कर सकता है। पर जैसे केंद्र को प्रांतों की मदद करनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। ये राजनीति नहीं, देशहित में सच मानने और प्रदेशों को ताकत व आर्थिक मदद देने की बात है।

वीजा नियमों में छूट

ओसीआई कार्ड होल्डर्स की 4 कैटेगरी के लोगों को भारत लौटने की इजाजत, विदेश में जन्मे बच्चों को भी साथ ला सकेंगे

नई दिल्ली। सरकार ने विदेशों में फंसे ओवरसीज सिटीजंस ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड होल्डर्स की चार कैटेगरी वाले लोगों को नियमों में छूट दी है। इससे उनको भारत लौटने में आसानी होगी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इसका नोटिफिकेशन जारी किया। ओसीआई कार्ड विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को जारी किया जाता है। इससे उन्हें वीजा के बिना आवाजाही की परमिशन मिल जाती है। लेकिन, कोरोनावायरस की वजह से सरकार ने पिछले दिनों विदेशों से आवाजाही के नियम सख्त कर दिए थे।

ओसीआई कार्डहोल्डर की इन 4 कैटेगरी को राहत

1. जो नाबालिग बच्चों को लेकर भारत आना चाहते हैं, भले ही बच्चों का जन्म विदेश में हुआ हो।
2. परिवार में किसी की मौत जैसी इमरजेंसी की वजह से आना चाहते हैं।
3. पति या पत्नी में से किसी एक के पास ओसीआई कार्ड है और दूसरा भारत में रहता हो और यहां उनका स्थाई घर हो।
4. विदेशों में पढ़ रहे यूनिवर्सिटी स्टूडेंट जिनके पैरेंट्स भारत में रह रहे हैं।

ओसीआई कार्डहोल्डर्स ने नियमों में छूट देने की अपील की थी

सरकार समुद्री जहाजों और हवाई जहाजों के जरिए विदेशों में फंसे भारतीयों को ला रही है। लेकिन, लॉकडाउन में नियमों में बदलाव होने की वजह से कई ओसीआई कार्ड होल्डर्स को टिकट नहीं मिल पा रहा। इनमें कुछ ऐसी फैमिली हैं, जिनमें पति-पत्नी को तो टिकट मिल गया, लेकिन बच्चों को आने की इजाजत नहीं मिल पा रही थी क्योंकि बच्चों का जन्म विदेश में हुआ है। ऐसे लोगों ने सरकार से नियमों में छूट देने की अपील की थी।

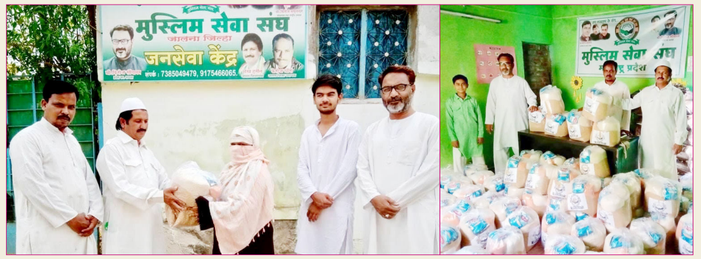

➔ **मुस्लिम सेवा संघ जालना के जिल्हा अध्यक्ष शेख हुसैन कांट्रेक्टर ने कहा कि जालना में हमारे शहर में मो. फिरोज सौदागर साहेब महाराष्ट्र अध्यक्ष की सरपरस्ती में हमारे महेबूबभाई अहमदाबाद और सदर साहेब की जानीब से जरुरतमंदो परिवारों को राशन किट तक्सीम किए गये....साथियों आप के जज्बे को को सलाम।**

‘उत्तम और गंगा की अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक झुमरू अमेजॉन पर लॉन्च’

सूरत के युवा कपल उत्तम और गंगा के 10 साल के रिसर्च और डेटा संग्रह पर आधारित किशोर कुमार की एकमात्र और पहली सचित्र रंगीन आत्मकथा झुमरू अमेजॉन पर लांच की गई। किशोर कुमार के अनकहे और अनछुए प्रसंगों को रचनात्मक माध्यम से गंगा और उत्तम द्वारा झुमरू किताब में दर्शाया गया है। गंगा एक हाउसवाइफ और उत्तम अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सामाजिक कार्यकर्ता और एक्टिविस्ट है जो काफी मशहूर लोगों की आत्मकथा व उनके अनकहे पहलुओं को अपनी रचनात्मक लेखनी में पिरोकर उन मशहूर तमाम लोगों के फैंस को एक नायाब तोहफा दे रहे हैं जिन्हें वह मिल नहीं सकते या फिर मिलने की ख्वाहिश रखते हो। किताब का आईडिया 10 साल पुराना था और इसे लॉकडाउन में डायरी से किताब का रूप दिया गया। इंदिरा सरकार द्वारा लगाई गई इमरजेंसी और सरकार के डार्क साइड को किताब में स्पष्ट और विस्तार से बताया गया है। किशोर कुमार के अनगिनत चाहने वालों के लिए झुमरू बिल्कुल अनूठी किताब है जिसमें किशोर कुमार के संघर्ष से लेकर सफलता के सोपान को गंगा और उत्तम द्वारा बहुत ही सरल भाषा में विस्तार से लिखा गया है। किताब में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, अमिताभ बच्चन, लता मंगेशकर, रमेश सिप्पी, आयुष्मान खुराना द्वारा किशोर कुमार के बारे में कहे गए विचारों का उल्लेख किया गया है। उत्तम वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहली अंतरराष्ट्रीय किताब और कॉफी टेबल बुक केम छो - द ओह वाउ स्टोरी ओफ नरेंद्र मोदी पर काम कर रहे हैं जिसका लोगो और कवर शीघ्र लांच किया जाएगा।

पाकिस्तान में हादसा: कराची एयरपोर्ट के करीब रिहायशी इलाके में प्लेन क्रैश

98 यात्री सवार थे, अब तक 2 के बचने की पुष्टि, 76 की मौत

संवाददाता

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक पैसेंजर प्लेन शुक्रवार को कराची के रिहाइशी इलाके में क्रैश हो गया। पीआईए की फ्लाइट पीके 8303 लाहौर से कराची आ रही थी। एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर और लैंडिंग से चंद मिनट पहले प्लेन का इंजन फेल हो गया। उसमें आग लग गई और वह जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही क्रैश हो गया। प्लेन में 91 यात्री और 7 क्रू मेंबर मे सवार थे। इनमें 51 पुरुष, 31 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल थे। अधिकारियों ने अब तक 76 मौतों की पुष्टि की है। इनमें एक 5 साल का एक बच्चा और एक सीनियर जर्नलिस्ट अंसारी नकवी भी शामिल हैं। अभी यह निश्चित नहीं है कि सभी शव यात्रियों के हैं या फिर इनमें से कुछ कॉलोनी के निवासी हैं। अधिकारियों ने विमान में सवार दो यात्रियों बैंक ऑफ पंजाब के प्रेसीडेंट जफर मसूद और जुबैर के सुरक्षित होने की पुष्टि की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस हादसे कहा कि हादसे से दुखी हूं पर अभी हमारी प्राथमिकता राहत और बचाव कार्य हैं। यह प्लेन कराची में मॉडल कॉलोनी के जिन्ना गार्डन इलाके में गिरा।

पायलट ने प्लेन को रिहाइशी इलाके से दूर ले जाने की कोशिश की

पायलट का नाम सज्जाद गुल है। चश्मदीदों का कहना है कि पायलट ने प्लेन को रिहाइशी इलाके से दूर ले जाने की कोशिश की। इसी वजह से कम घरों को नुकसान पहुंचा। प्लेन में एक को-पायलट और तीन एयर होस्टेस भी थीं। पीआईए के प्रवक्ता ने जियो न्यूज से कहा- यह प्लेन ए-320 था और 15 साल पुराना था।

पाकिस्तान की एयरपोर्ट अथॉरिटी पर सवाल

खबर के मुताबिक, जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के काफी पास तक दो से तीन मंजिला मकान बने हुए हैं। जबकि एयरपोर्ट के इतने नजदीक घर बनाने की इजाजत नहीं होनी थी। अगर एयरपोर्ट के पास रिहाइशी इलाके की इजाजत नहीं होती तो शुक्रवार को हुए इस हादसे की वजह से घरों में आग नहीं लगती।

एक परिवार के तीन सदस्यों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता

सहारनपुर। दिल्ली से लौटे एक परिवार के तीन सदस्यों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव (कोविड-19 वायरस) आई है। इनमें तीन माह का एक बच्चा भी शामिल है। रिपोर्ट आने के बाद पूरे मोहल्ले को सील कराया जा रहा है। इसी मोहल्ले के 13 अन्य लोगों के भी सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र स्थित पेपर मिल के पास इंद्रा कालोनी निवासी प्रवीण कुमार परिवार के साथ दिल्ली में रहता था। 14 मई को वह परिवार के साथ घर लौटा। दो दिन बाद पड़ोसियों ने स्वास्थ्य विभाग को बताया कि उनके मोहल्ले में दिल्ली से एक परिवार आया है। इस सूचना पर पहुंची टीम ने परिवार के सभी सदस्यों के सैंपल लेते हुए पूरे परिवार को क्वारंटाइन सेंटर भेज दिया। स्वास्थ्य विभाग ने अब इन सभी 13 लोगों के सेंपल लेते हुए इन्हे भी क्वारंटीन कर दिया है। इसके साथ ही इंद्रा कालोनी की की दो गलियों को पूरी तरह से सील किया जा रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मिले निर्देशों के अनुसार पेपर मिल के पास स्थित इंद्रा कालोनी की मॉदर के पास वाली गलियों को सील कराया जा रहा है।

उत्तराखंड में मिलेगा गोवा जैसा नजारा

अक्सर लोग घूमने का प्लान बनाते समय गोवा या ऐसी ही किसी जगहें के बारे में सोचते हैं। वीकेंड को यादगार बनाने के लिए ज्यादातर लोग समुद्र किनारे, झील या पहाड़ों पर जाना पसंद करते है। अगर आपको यह दोनों एक साथ देखने को मिल जाए तो। ऐसी जगह के बार में आज हम आपको बताएंगे। वह है उत्तराखंड। यहां की सरकार ने राज्य पर्यटन बढ़ाने के लिए कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिसके कारण आप यहां पर गोवा जैसे नजारों का मजा ले सकते है। अगर आप भी बना रहें है वीकेंड का प्लान तो यह जगहें आपके लिए एकदम बेस्ट है।

उत्तराखंड में मौजूद टिहरी झील का मजा लेने तो वैसे भी कई टूरिस्ट आते है लेकिन अब इसे अलग पहचान दिलाने के लिए नए-नए प्रयोग किए गए है।

इसे और भी ज्यादा आकर्षित बनाने के लिए इसमें फ्लोटिंग हट् को उतारा जा रहा है।

इसके लिए पहली बार नॉर्थ इंडिया में पहली बार यूपी निगम द्वारा 20 हाउस बोट का निर्माण कराया गया है। इन बाट्स में पर्यटकों के खान-पान से लेकर रहने तक सुविधा का इंतजाम किया गया है। यह सभी हट्स एक हाउस बोट की तरह टिहरी झील में तैरेंगी। टिहरी बांध के चारों और फैली इस टिहरी नदी के जरिए अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा इस नदी में टूरिस्टोंकी संख्या बढ़ाने के लिए यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स बोटिंग, मोटर स्कीइंग, राफ्टिंग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृष: शत्रुभय रहेगा। भागदौड़ रहेगी। शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन: प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जोखिम न लें।

कर्क: शुभ समाचार मिलेंगे। चोट व रोग से बचें। वाणी पर नियंत्रण रखें। परिवार की चिंता रहेगी। धनार्जन होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

सिंह: रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या: फालतू खर्च होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। विवाद न करें। पुराना रोग उभर सकता है। जल्दबाजी न करें।

तुला: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। चोट व रोग से बाधा संभव है।

वृश्चिक: बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा से लाभ होगा।

धनु: भय, पीड़ा, चिंता व तनाव का माहौल रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ होगा।

मकर: यात्रा में सावधानी रखें। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धैर्य रखें।

कुंभ: जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। कष्ट संभव है।

मीन: भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे। विवेक का प्रयोग करें।

बर्फीलीं वादियों में घूमने के हैं शौकीन तो जरूर जाएं दावोस

घूमने-फिरने के शौकीन लोगों को अक्सर खूबसूरत वादियों में जाने का मन होता। लाग वीकेंड का प्लान बनाते समय भी आप प्रकृतिक खूबसूरती और एंजॉय करने वाली जगहों पर ही जाना पसंद करते है। बहुत से लोग तो घूमने के लिए स्विट्जरलैंड, स्कॉटलैंड, जापान या थाईलैंड जाना पसंद करते है। आज हम आपको ऐसी ही खूबसूरत जगहें के बारे में बताने जा रहें है, जहां पर आप खूबसूरत नजारों और वादियों का मजा ले सकते है। स्विट्जरलैंड में स्थित इस छोटे से शहर दावोस में आप प्रकृति के खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते है। तो आइए जानते है दावोस की खूबसूरती के बारे में।

यूरोप के सबसे उंचे शहरों में से एक यह शहर नदी के तट पर है। पर्वत से घिरा दावोस शहर समुद्री तल से 1,560 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। 11 प्रतिशत जनसंख्या वाले इस शहर में सिर्फ 35 प्रतिशत पर ही खेती होती है। इस शहर का 22.2 प्रतिशत में जंगल है, जिसे देखने के लिए टूरिस्ट यहां आते है।

यहां के ज्यादातर लोग जर्मन भाषा बोलते है और कुछ सर्बो-क्रोएट या इटालिन बोलते है। बर्फ से घिरे इस शहर की खूबसूरती रात के समय और भी बढ़ जाती है। नवम्बर से अप्रैल के बीच यहां का मौसम और भी खूबसूरत हो जाता है।

खूबसूरत वादियों के अलावा आप यहां पर दावोस लेक, बॉटिनिकल गार्डन, पारसेन स्किगीबेट, किरचानेर म्यूजियम दावोस जैसी खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। इसके अलावा रात की खूबसूरत लाइट्स के बीच आप इस शहर की नाइट लाइफ भी एंजॉय कर सकते हैं।

यहां की बर्फीलीं पहाड़ियों पर आप स्केटिंग भी कर सकते है। इसके अलावा ट्रैन में बैठ कर आप इस छोटे से शहर की पहाड़ों की खूबसूरती को नजदीक से देख सकते हैं। तो अगर आपको भी बर्फीलीं पहाड़ियों पर घूमने का शौंक है तो आप भी जरूर जाएं इस शहर में। इस शांत शहर में आप अपने वीकेंड को और भी मजेदार बना सकते है।

एक साथ 5 बच्चों की मां बनी यह महिला, हर कोई हो गया हैरान

मां बनना हर औरत के लिए सौभाग्य की बात है। डिलवरी के समय हर महिला को असहनीय दर्द का सामना करना पड़ता है। कई बार जुड़वा बच्चे होने पर महिला को एक साथ 2 बार यह दर्द सहना पड़ता है लेकिन कुछ समय पहले महिला ने एक साथ 5 बच्चों को जन्म दिया। ऐसा बहुत कम सुनने को मिलता है कि किसी महिला ने एक साथ दो से अधिक बच्चे को जन्म दिया हो। ऐसे में इस महिला की 5 बच्चों को देने की खबरसुन कर आप भी हैरान हो जाएंगे। अक्सर महिला दो से अधिक बच्चो को जब जन्म देती है तो उसमें कुछ बच्चे कुछ कमजोर होते है। मगर इस महिला ने 5 स्वस्थ बच्चों को एक साथ जन्म दिया था। मिलोविस के चेक शहर में रहने वाली एलेक्जेंड्रा किनोवा किनोवा नाम की महिला के बच्चे अब बड़े हो गए है और पूरी तरह से स्वस्थ है। 5 बच्चों को एक साथ जन्म देकर इस महिला ने दुनिया के सभी डॉक्टरों को चुनौती दे दी थी। इन बच्चों के जन्म से पहले किनोवा को एक और भी बेटा था लेकिन यह लोग एक बेटी भी चाहते थे। 23 वर्ष की आयु में किनोवा दुबारा गर्भवती हुई। जब डॉक्टरो ने गर्भ की जांच की वो हैरान रह गए कि किनोवा के गर्भ में एक दो नहीं बल्कि 5 बच्चे पल रहे थे। कुछ महिनो बाद एलेक्जेंड्रा ने सीजेरियन सेक्शन द्वारा चार लड़कों और एक लड़की को जन्म दिया, जोकि अब पूरी तरह स्वस्थ है।

पुतला नहीं, महिला है अमेरिका की यह 'टॉप मॉडल', इस कारण हो गया ये हाल

खूबसूरत दिखने के चक्कर में लड़कियां अपने चेहरे पर क्या-क्या नहीं करवाती। खुद को आकर्षक दिखाने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट और प्लास्टिक सर्जरी का इस्तेमाल करती हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसी लड़की के बारे में बताने जा रहें है, जोकि किसी बीमारी के काण पतली हो गई। पुतले की तरह दिखने वाली 20 साल की अमेरिका की मेलनी गेडोस एक खतरनाक बीमारी के कारण ऐसी हो गई है। न तो उनके बाल है और न ही नाखून। अब वो किसी पुतले की तरह दिखाई देती है।

दरअसल, मेलनी को एक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया नामक एक जेनेटिक बीमारी है, जिसके कारण दांत, नाखून, हड्डियां, बाल और ग्लैंड्स पर बुरा असर पड़ता है। इसी कारण मेलनी के भी दांत, बाल और नाखून नहीं है। मेलनी होंठ और तालु जन्म से ही कटे-फटे थे और उनके कान, नाक की आकृति भी सामान्य नहीं थी। इसे ठीक करवाने के लिए उन्हें करीब 40 सर्जरी करवानी पड़ी।

मेलनी बचपन से ही बबिना देंत के खाती आई है। उन्होंने 2 साल पहले नकली दांत बनवाये थे लेकिन जल्द ही उन्हें पहनना छोड़ दिया। इसके अवाना मेलनी बिग बी नहीं लगाती। इसके बावजूद भी मेलनी न्यू यॉर्क में एक कामयाब मॉडल हैं, हांलाकि उन्होंने मॉडलिंग को करियर बनाने के बारे में कभी नही सोंचा था।

इस बीमारी के कारण डॉक्टर ने इन्हें ठंडी जगह या फिर ज्यादा छाव में रहने से मना कर दिया है। इस बीमारी के कारण व्यक्ति को पसीना ना आना और शरीर का तापमान नियंत्रित न रहना जैसी सम्सयाओं का सामना करना पड़ता है। मेलनी कहती हैं कि उन्हें अपने शरीर से कोई प्रॉब्लम नहीं है। वो जैसी है उसी में खुश है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रातभर लगाकर रखें ये हेयर मास्क, मिलेंगे खूबसूरत और सिल्की बाल

हर लड़की चाहती है कि उसके बाल लंबे, घने और खूबसूरत हो। चेहरे के साथ-साथ बाल भी पर्सनैलिटी को बढ़ाते है। इसलिए चेहरे के साथ-साथ बालों का खूबसूरत होना भी बहुत जरूरी है लेकिन बदलते मौसम और पोल्यूशन के कारण बालों में रूखापन, हेयर फॉल और ड्रैंडफ जैसी समस्याएं होने लगती है। लड़कियां इन परेशानियों को दूर करने के लिए कई मंहगे ट्रीटमेंट इस्तेमाल करती है लेकिन कुछ घरेलू उपाय से इस समस्या को आसानी से दूर किया जा सकती है। वक्त की कमी होने के कारण लड़कियां घरेलू उपाय ट्राई भी नहीं कर पाती। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसा ओवरनाइट हेयर मास्क बताएंगे, जिससे आपको इन सभी प्रॉब्लम से छुटकारा मिल जाएगा। अगर आप भी अपने बाल स्मूथ और शाइनी बनाना चाहती है तो जरूर ट्राई करें ये हेयर मास्क।

1. डैंड्रफ के लिए

2 टेबलस्पून फ्रेश एलोवेरा जेल और 1 टेबलस्पून नारियल तेल को अच्छी तरह मिक्स करें। इसे स्कैलप पर लगाकर किसी चीज से कवर करके छोड़ दें। सुबह उठकर सिर को शैम्पू से धो लें। हफ्ते में 3 बार लगातार इसका इस्तेमाल ड्रैंडफ की समस्या को खत्म कर देगा।

2. पतले और झड़ते बाल

रात को सोने से पहले 3 टेबलस्पून प्याज के रस और 1 टीस्पून शहद मिलाकर स्कैलप पर लगाएं। सुबह शैम्पू से सिर धो लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल हेयर फॉल को खत्म करके बालों को मोटा बना देगा।

3. सिल्की और स्मूद बाल

1 टेबलस्पून शहद और 1 टीस्पून दूध मिलाकर कॉटन की मदद से स्कैलप पर लगा लें और मसाज करें। अगर आपके बाल ज्यादा ड्राय है तो आप फ्रेश मिल्क क्रीम का इस्तेमाल करें। इससे आपकी सारी परेशानी दूर हो जाएगी।

4. सिल्की सॉफ्ट बाल

1 पके हुए केले में 2 टेबलस्पून दही मिलाकर रातभर के लिए छोड़ दें। सोने से पहले इसे शावर कैप से कवर कर लें। सुबह उठकर मिनरल शैम्पू से सिर धो लें। कुछ हफ्तों में ही आपके बाल सॉफ्ट और सिल्की हो जाएंगे।

कच्चे प्याज का सेवन दूर करता है ये 6 बीमारियां

भोजन के रूप में या सलाद के रूप में खाया जाने वाला प्याज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता। कुछ लोग तो सैंडविच, चटनी या चाट के रूप में भी प्याज का सेवन करते है लेकिन क्या आप जानते है कच्चा प्याज खाना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। सल्फर, एमिनो एसिड, एंटीबायोटिक्स, फाइबर, कैल्शियम, आयोडीन, फॉस्फोरस, मिनरल्स और विटामिन्स के गुणों से भरपूर 1 कच्चे प्याज का सेवन गंभीर बीमारियों को जड़ से खत्म कर देता है। आज हम आपको बताएंगे कि रोज 1 कच्चा प्याज खाने से कौन-सी 4 बीमारियां जड़ से खत्म हो जाती है।

1. कब्ज

प्याज में मौजूद रेशे पेट की बीमारियों के लिए फायदेमंद होते है। रोज 1 कच्चा प्याज खाने से कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या जड़ से खत्म हो जाती है और पाचन तंत्र सुचारू रूप से काम करता है।

2. ब्लडप्रैशर

इसमें मिथाइल सल्फाइड और अमीनो एसिड होने के कारण कच्चा प्याज ब्लडप्रैशर कंट्रोल करने में मदद करता है। रोज 1 कच्चा प्याज खाने से हाई ब्लडप्रैशर को नार्मल रहता है।

3. किडनी स्टोन

रोजाना सुबह खाली पेट 2 चम्मच प्याज का रस पीएं। नियमित रूप से इसका सेवन किडनी स्टोन की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाती है।

4. डायबिटीज

कच्चा प्याज खाने से शरीर में इंसुलिन बनता है। रोज 1 कच्चा प्याज या इसके रस का सेवन डायबिटीज को जड़ से खत्म कर देता है।

5. गले की खराश

सर्दी, कफ या खराश को दूर करने के लिए प्याज के रस में गुड़ और शहद मिलाकर पीएं। इससे आपकी खराश, कफ और सर्दी-जुकाम कुछ ही मिनटों में दूर हो जाएंगे।

6. एनीमिया

रोज 1 कच्चा प्याज खाने शरीर में खून की कमी दूर होती है। इसके अलावा प्याज में पाए जाने वाले तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बूस्ट करते है।

टेस्टी होने के साथ ही सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं Popcorn

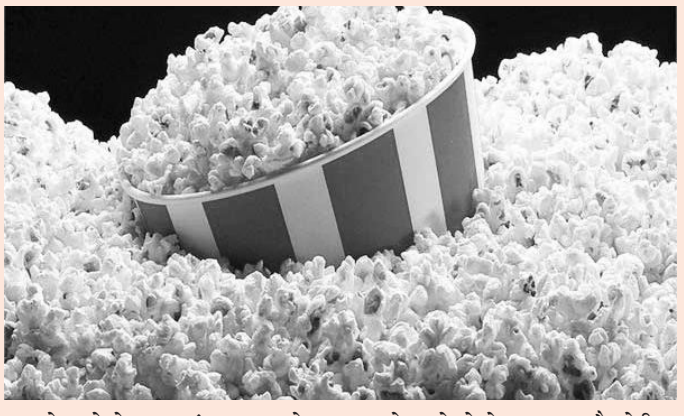

पॉपकॉर्न खाना किसे पसंद नहीं होता। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक हर कोई टाइम पास करने के लिए, मूवी देखते वक्त या फिर सफर पर जाते समय इसे खाते हैं। यह एक ऐसी चीज है, जो आपको कहीं पर भी आसानी से मिल जाती है। पॉपकॉर्न खाने में टेस्टी होने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें फाइबर, पॉलीफेनोल कंपाउंड, एंटीऑक्सीडे , विटामिन बी कॉम्पलेक्स, मैगनीज और मैग्नीशियम जैसे अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखते हैं। कुछ लोग पॉपकॉर्न बनाते समय तेल और घी का इस्तेमाल करते हैं जिससे शरीर को नुकसान होता है। इनको बनाने के लिए रेत या नमक का उपयोग करें। इस तरह बने पॉपकॉर्न हार्ट को हैलदी रखता है। दिल को स्वस्थ बनाने के साथ ही पॉपकॉर्न खाने के और भी कई फायदे होते हैं। आज हम आपको उन्हीं फायदों के बारे में आपको बताएंगे।

1. कोलेस्ट्रॉल कम करे

आज 5 में 3 व्यक्ति हाइ और लॉ कोलेस्ट्रॉल से परेशान हैं। इस परेशानी को दूर करने के लिए रोजाना पॉपकॉर्न का सेवन करें। इसमें फाइबर की ऊच मात्रा होती है जो कोलेस्ट्रॉल को कम कर के खून की धमनियों को चौड़ा करता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

2. पाचन को मजबूत करना

इसको खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह एक प्रकार का साबुत अनाज होता है जिसमें चोकर के सभी गुण पाए जाते हैं। हफ्तें में 3 बार इनको खाने से कब्ज और एसिडिटी की समस्या नहीं रहती।

3. कैंसर से बचाव

पॉपकॉर्न में पॉली फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। शरीर को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट कैंसर पैदा करने वाले फ्री रैडिकल्स से मुक्ती दिलाते हैं।

4. उम्र को बढ़ने से रोके

पॉपकॉर्न खाने से आप जल्दी बुढ़े नहीं होते। ये चेहरे पर झुर्रियां, एज स्पॉट, अंधापन, मासपेशियों में कमजोरी या बाल झडने को दूर करता है। इनको खाने से शरीर हैल्दी रहता है।

5. मोटापा कम

इनको खाने से केवल 30 कैलोरीज ही मिलती हैं, जो कि आलू चिप्स के मुकाबले कहीं कम होता। जब भी आपको भूख लगे तो केवल पॉपकॉर्न ही खाएं इससे आपकी भूख भी शांत होगी और फैट भी नहीं बढ़ेगा।

6 . हड्डियों को बनाए मजबूत

पॉपकॉर्न में मैगनीज होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। इनको रोजाना खाने से हड्डियां स्वस्थ रहती है। यह गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याओं से बचाते है।

7. मधुमेह रोगियों के लिये फायदेमंद

आजकल की भागदौड़ और गलत खान पान के कारण मधुमेह यानी डायबिटीज की समस्या दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है। पॉपकार्न में फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो शुगर लेवल को कंट्रोल में रखती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका चोपड़ा को याद आया...

प्रियंका चोपड़ा को लॉकडाउन में बीते दिनों की याद आ रही है। वे इन दिनों पति निक जोनस के साथ लॉस एंजलिस में हैं और अपने बीते बॉलीवुड के दिनों को याद कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में कई बढ़िया फिल्मों में काम किया था, जिसमें से एक थी करम। इस फिल्म से प्रियंका का तिनका तिनका बेहद फेमस हुआ था, जिसे उन्होंने फिल्म में तो नहीं लेकिन अन्य मौकों पर काफी बार गुनगुनाया। अब प्रियंका चोपड़ा को इस गाने की याद आई है। प्रियंका ने तिनका तिनका गाने का एक वीडियो शेयर करते हुए फैन्स को इसके बारे में बताया है। उन्होंने लिखा, तिनका तिनका मेरी कुछ शुरूआती फिल्मों में से एक करम का गाना है। ये फिल्म 2005 में आई थी। जिन लोगों को नहीं पता उन्हें बता दूं कि हिंदी फिल्मों में एक्टर्स के लिए सिंगर्स प्लेबैक सिंगिंग करते हैं। मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे कई बेहतरीन सिंगर्स ने अपनी आवाज दी। प्रियंका ने आगे लिखा, 'लेकिन जब ये गाना आया तो लोगों को लगा कि इसे मैंने ही गाया है। लेकिन असल में इस गाने को मेरी फेवरेट सिंगर्स में से एक अलीशा चिनॉय ने गाया था। उन्होंने मेरी टोन को बखूबी कॉम्प्लीमेंट किया। थैंक यू अलीशा।

रणबीर कपूर हैं बहुत 'पजेसिव बॉयफ्रेंड'

बॉलिवुड ऐक्टर रणबीर कपूर इंडस्ट्री के चहेते ऐक्टर है। वह कई फिल्मों में अपनी टैलंट साबित कर चुके हैं। फिल्मों के अलावा उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रहती है। रणबीर का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनको कहते सुना जा सकता है कि वह पजेसिव बॉयफ्रेंड हैं। रणबीर कपूर के पिता ऋषि कपूर का हाल ही में देहांत हुआ है। उनकी फैमिली से जुड़े पुराने कई वीडियोज और इंटरव्यू सामने आ रहे हैं। इसी बीच इंटरनेट पर उनका एक पुराना वीडियो शेयर हो रहा है। रणबीर सिमी ग्रेवाल के चैट शो में हैं। इसमें रणबीर बता रहे हैं कि वह बहुत पजेसिव बॉयफ्रेंड हैं लेकिन शो नहीं करते। वह बाहर से बहादुर दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें बहुत जलन होती है। रणबीर रिलेशनशिप्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहे है। उनके और आलिया भट्ट के बीच लिंकअप की खबरें लंबे वक्त से हेडलाइन्स में हैं। उनके फैंस दोनों की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अजय देवगन को दोहरा झटका

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में बॉलिवुड को भी काफी झटका लगा है। सभी फिल्मों की रिलीज और शूटिंग लटकी हुई है। पहले ही सूर्यवंशी, 83 और सलमान खान की 'राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' जैसी बड़ी फिल्मों की रिलीज टल चुकी है। अब इस लिस्ट में अजय देवगन की दो बड़ी फिल्में भी शामिल होने जा रही हैं। खबर है कि अजय की फिल्म 'भुज' और 'मैदान' की रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा सकती है। 1971 की भारत-पाकिस्तान लड़ाई पर बनी फिल्म 'भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया' को पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त 2020 को रिलीज होना था। अब खबर है कि इस फिल्म को अब विजय दिवस यानी 16 दिसंबर 2020 को रिलीज किया जा सकता है। इसी दिन साल 1971 में भारत ने पाकिस्तान को हराया था। फिल्म में अजय देवगन स्क्वॉड्रन लीडर विजय कार्णिक का किरदार निभा रहे हैं जिन्होंने भुज में एयरबेस तैयार किया था। बताया जा रहा है कि अभी इस फिल्म की कुछ शूटिंग बाकी बची हुई है। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा, शरद केलकर और नोरा फतेही नजर आएंगे।